38 किमी लंबा बनेगा लॉजिस्टिक कॉरिडोर

बीडा : छह लेन चौड़ा होगा कॉरिडोर, परिवहन के लिए रेलवे के फ्रेट कॉरिडोर से भी जोड़ा जाएगा

विकास पथ पर बुंदेलखंड अमर उजाला अभियान

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज हो गई है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों को परिवहन सहूलियत मुहैया कराने के लिए 38 किलोमीटर लंबा लॉजिस्टिक कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसकी चौड़ाई सामान्य तौर पर एक्सप्रेस वे की तरह छह लेन की होगी। बीडा अफसरों के मुताबिक, अगले माह तक निविदा प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद काम भी आरंभ कर दिया जाएगा।

बीडा की शुरुआती बसावट के लिए 400 हेक्टेअर जमीन तय की गई है। यहां पहले चरण के विकास कार्य कराए जाएंगे। बीडा बोर्ड 1500 करोड़ रुपये भी स्वीकृत कर चुका है। अब इस रकम से काम कराए जाएंगे। सड़क बनने के बाद ही औद्योगिक ईकाइयों की बसावट आरंभ होगी। इसे देखते हुए बीडा प्रशासन सबसे पहले बीडा को एक सिरे से दूसरे सिरे तक जोड़ने के लिए सड़क का निर्माण कराने जा रहा है। कुल 38 किलोमीटर लंबी यह सड़क छह लेन की होगी।

रेलवे के फ्रेट कॉरिडोर से भी इसे जोड़े जाने की योजना है। इसके जरिये माल ढुलाई आसान हो सकेगी। सड़क बनने के साथ यहां बिजली समेत अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे। ओएसडी सौम्य मिश्रा के मुताबिक, प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसकी निविदा प्रक्रिया पूरी करके यहां काम भी आरंभ कराया जाएगा। इसकी मदद से बीडा की बसावट आरंभ हो सकेगी।

बीडा का प्रस्तावित आकार।

21 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहण आरंभ

बीडा के दूसरे चरण में 21 हजार एकड़ जमीन ली जानी है। यह जमीन भी उन्हीं 33 गांव में ली जानी है, जहां पहले चरण में जमीन ली जा रही थी। अभी पहले चरण के जमीन अधिग्रहण का काम पूरा नहीं हुआ है लेकिन लॉजिस्टिक कॉरिडोर की जरूरत को देखते हुए बीडा प्रशासन ने दूसरे चरण के लिए भी जमीन अधिग्रहण का काम शुरू कर दिया है।

माताटीला बांध से बबीना तक पहुंचा पानी, अगले महीने झांसी पहुंचेगा

झांसी। अमृत योजना के तहत माताटीला से झांसी तक डाली गई पाइपलाइन का काम अंतिम दौर में है। इसके अंतर्गत, माताटीला से बबीना एसटीपी प्लांट तक पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है। दिसंबर में मुख्य पाइपलाइन से झांसी तक जलापूर्ति शुरू हो जाएगी। योजना की अवधि जुलाई 2025 तय है। हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए सरकार ने 553 करोड़ रुपये की लागत से अमृत-1 और अमृत-2 योजना शुरू की थी। योजना के तहत नौ ओवरहेड टैंक, 10 सीडब्ल्यूआर (जलाशय) के साथ ही पेयजलापूर्ति के लिए 826 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का लक्ष्य तय किया गया था। इसके तहत, छह ओवरहेड टैंक का निर्माण पूरा कर लिया गया है। तीन का निमार्ण कार्य अंतिम दौर में है। इसके साथ ही शहर के अंदरूनी इलाकों में 464 किलोमीटर पाइपलाइन डाली जा चुकी है। वहीं, माताटीला बांध से बबीना एसटीपी प्लांट तक साढ़े 23 किलोमीटर पाइपलाइन डाली जा चुकी है। वहीं अब झांसी तक 25 किलोमीटर पाइपलाइन डालने का काम तेज कर दिया गया है। वहीं, अधिशासी अभियंता, जल निगम मुकेश पाल ने बताया कि योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम तेजी से जारी है। इसके साथ ही माताटीला बांध से बबीना तक पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। अगले माह तक माताटीला से झांसी तक पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। ब्यूरो